3586

B.A. 3rd Semester (General) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-1C/GE-3

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. Instruction for GE-3 (Honours students of other than Sanskrit discipline) 2×10=20

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *दश* प्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य प्रदेयम्। तत्र प्रतिविभागात् *प्रश्नत्रयमवश्यमेव* चयनीयम्।

निम्नलिखित প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। প্রতি বিভাগ থেকে অন্তত *তিনটি* প্রশ্নের উত্তর করতে হবে।

Instruction for CC-1C (General students)

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांश्चित् दशानां प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तत्र प्रतिविभागात् प्रश्नद्वयम अवश्यमेव चयनीयम्। तेषु *कयोश्चिद् द्वयोः* प्रश्नयोरुत्तरं संस्कृतभाषया अवश्यमेव लेख्यम्।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *দশটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে প্রত্যেক বিভাগ থেকে অন্ততঃ *দুটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই দিতে হবে। যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

'क'-विभागः

'ক'-বিভাগ

(a) 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति नाटकस्य मङ्गलश्लोके वर्णितस्य शिवस्य अष्टमूर्तेः नामानि लिखतु।

'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকের মঙ্গল শ্লোকে বর্ণিত শিবের অষ্টমূর্তির নামগুলি লেখো।

(b) "जन्म यस्य पुरोर्वंशे युक्तरूपमिदं तव" इति कः कस्मिन् प्रसङ्गे कस्मै उक्तवान्?

"জন্ম যস্য পুরোর্বংশে যুক্তরূপমিদং তব" উক্তিটি কে কোন প্রসঙ্গে কাকে বলেছিলেন?

(c) "मृगानुसारिणं साक्षात् पश्यामीव पिनाकिनम्"– इति कः कस्मिन् प्रसङ्गे उक्तवान्?

"মৃগানুসারিণং সাক্ষাৎ পশ্যামীব পিনাকিনম্"— উক্তিটি কে কোন প্রসঙ্গে বলেছিলেন?

(d) 'असाधुदर्शी खलु तत्रभवान्'— इत्यत्र वक्ता कः? कश्च असाधुदर्शी?

'অসাধুদর্শী খলু তত্রভবান্'— এই উক্তিটির বক্তা কে? বক্তার মতে অসাধুদর্শীই বা কে?

(e) दुष्यन्तस्य सेनापतिः मृगयायाः कान् गुणान् उल्लिखितवान्?

দুষ্যন্তের সেনাপতি মৃগয়ার কোন কোন গুণের উল্লেখ করেছিলেন?

(f) "न खलु न खलु वाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्" इति कः कस्मिन् प्रसङ्गे उक्तवान्?

"ন খলু ন খলু বাণঃ সন্নিপাত্যোঽয়মস্মিন্"— উক্তিটি কে কোন প্রসঙ্গে করেছিলেন?

(g) ''परिहासविजल्पितं सखे परमार्थेन न गृह्यतां वचः'' इति कः कदा उक्तवान्?

''পরিহাসবিজল্পিতং সখে পরমার্থেন ন গৃহ্যতাং বচঃ''— কে কখন বলেছিলেন?

(h) 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति नाटकस्य प्रस्तावनायाम् उल्लिखिता ग्रीष्मकालस्य उपभोग्यता वर्ण्यताम्।

'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকের প্রস্তাবনায় উল্লিখিত গ্রীষ্মকালের উপভোগ্যতা বর্ণনা করো।

'ख'-विभागः

'খ'-বিভাগ

(a) वेणीसंहारमिति नाटके कति अङ्काः सन्ति? अस्य नाटकस्य विषयवस्तु किम्?

বেণীসংহার নাটকে কয়টি অঙ্ক আছে? এই নাটকের বিষয় বস্তু কী?

(b) भासस्य दृश्यकाव्यजातं केन कस्मात् स्थानाद् आविष्कृतम्?

ভাসের দৃশ্যকাব্যসমূহ কে কোন স্থান থেকে আবিষ্কার করেছিলেন?

(c) मुद्राराक्षसमिति नाटकस्य प्रणेता कः? अस्य नाटकस्य कयोश्चिद् द्वयोः पात्रयोः नाम लिख्यताम्।

মুদ্রারাক্ষস নাটকের রচয়িতা কে? এই নাটকের যে কোনো দুটি চরিত্রের নাম লেখো।

(d) 'मृच्छकटिकम'– इति रूपकम् कस्य कृतिः? संस्कृतदृश्यकाव्येषु रूपकमिदं कस्यां श्रेण्यां अन्तर्गतम्?

'মৃচ্ছকটিক' কার লেখা? এই রূপকটি কোন শ্রেণির অন্তর্গত?

(e) संस्कृतदृश्यकाव्यजगति श्रीहर्षस्य परिचयः कः?

সংস্কৃত দৃশ্যকাব্যের জগতে শ্রীহর্ষের পরিচয় দাও।

(f) महाभारताश्रितस्य भासकृतस्य दृश्यकाव्यद्वयस्य नाम लिखतु।

মহাকবি ভাস রচিত দুটি মহাভারতাশ্রিত দৃশ্যকাব্যের নাম লেখো।

(g) 'रत्नावली' केन विरचिता? एषा कीदृशं रूपकम्?

'রত্নাবলী' কার রচনা? এটি কোন ধরনের রূপক?

2. *अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांश्चित् चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु कयोश्चिद् द्वयोः प्रश्नयोरुत्तरम् अवश्यमेव संस्कृतभाषया लेख्यम्।* 5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে যে কোনো দুইটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(a) ''त्रिशङ्कुरिव अन्तराले तिष्ठ''– इत्यत्र त्रिशङ्कुः कः? वक्ता कदा कस्मै एवम् उक्तवान्?

''ত্রিশঙ্কুরিব অন্তরালে তিষ্ঠ''— ত্রিশঙ্কু কে? বক্তা কখন কাকে এই উক্তি করেছিলেন?

(b) ''किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्''– इति सप्रसङ्गं व्याख्यायताम्?

''কিমিব হি মধুরাণাং মণ্ডনং নাকৃতীনাম্''— শ্লোকাংশটি সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো।

(c) मातृभाषया अनुवादः कार्यः —
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো ঃ
यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां
यदत्रर्विच्छिन्नं भवति कृतसन्धानमिव तत्।
प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयो–
र्न में दूरे किञ्चित् क्षणमपि न पार्श्व रथजवात्।।

(d) टीका लेख्या– 'नागानन्दम्'।
টীকা লেখো— 'নাগানন্দ'।

(e) टीका लेख्या– 'स्वप्नवासवदत्तम्'।
টীকা লেখো— 'স্বপ্নবাসবদত্ত'।

(f) हंसपदिका का? तस्याः गीतस्य तात्पर्य्यं किम्?
হংসপদিকা কে? তার গীতের তাৎপর্য কী?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् *द्वयोः* प्रश्नयोरुत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নসমূহের মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

(a) 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति नाटके विदूषकस्य नाम किम्? विदूषकस्य लक्षणमुल्लिख्य भवतः पाठ्यांशानुसारं तस्य चरित्रं वर्ण्यताम्। 1+2+7
'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকে বিদূষকের নাম কী? বিদূষকের লক্ষণ উল্লেখ করে তোমার পাঠ্যাংশ অনুসারে বিদূষকের চরিত্র বর্ণনা করো।

(b) दुर्वाससः शापमुल्लिख्य 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति नाटके तस्य शापस्य तात्पर्य्यम् आलोच्यताम्। 2+8
দূর্বাসার অভিশাপটি উল্লেখ করে 'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকে দুর্বাসার অভিশাপের তাৎপর্য আলোচনা করো।

(c) महाकविना कालिदासेन रचितानि दृश्यकाव्यानि कानि? दृश्यकाव्यानां वृत्तान्तमुल्लिख्य नाट्यकाररूपेण कालिदासस्य अवदानम् आलोच्यताम्। 2+8
মহাকবি কালিদাসের রচিত দৃশ্যকাব্যগুলি কী কী? দৃশ্যকাব্যগুলির বিষয়বস্তু উল্লেখ করে নাট্যকাররূপে কালিদাসের অবদান আলোচনা করো।

(d) संस्कृत दृश्यकाव्यजगति महाकवेः भवभूतेः कृतित्वम् आलोच्यताम्। 10
সংস্কৃত দৃশ্যকাব্যের জগতে মহাকবি ভবভূতির কৃতিত্ব আলোচনা করো।